सर्वोच्च न्यायालय द्वारा राज्य की विधायी शक्ति की पुष्टि

स्रोत: द हिंदू

नंदिनी सुंदर बनाम छत्तीसगढ़ राज्य *2012* मामले में सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय भारत के लोकतांत्रिक ढाँचे में राज्य विधायिकाओं की भूमिका और न्यायिक आदेशों के साथ उनके संबंध को स्पष्ट करता है ?

नंदिनी सुंदर बनाम छत्तीसगढ़ राज्य मामला, 2012

- **परिचय: वर्ष 2011 में सर्वोच्च न्यायालय ने छत्तीसगढ़ सरकार को** माओवाद-विरोधी अभियानों में **विशेष पुलिस अधिकारियों (SPO) के उपयोग को रोकने** का निर्देश दिया था, क्योंकि न्यायालय ने कहा था कि विशेष पुलिस अधिकारियों को **अपर्याप्त प्रशिक्षण** दिया गया है तथा ये **संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 का उल्लंघन** है।
  - इन निर्देशों के बावजूद, छत्तीसगढ़ सरकार ने बाद में छत्तीसगढ़ सहायक सशस्त्र पुलिस बल अधिनियम, 2011 लागू किया **जिससे** पूर्ववर्ती **सलवा जुडूम** और **कोया कमांडो के समान एक सहायक बल** का गठन संभव हो गया।
  - याचिकाकर्त्ताओं ने **अवमानना याचिका दायर कर** आरोप लगाया कि यह नया विधान सर्वोच्च न्यायालय के वर्ष 2011 के **आदेश का उल्लंघन** करता है।
- **सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय:** सर्वोच्च **न्यायालय ने अवमानना याचिका को खारिज करते हुए** कहा कि **छत्तीसगढ़ ने** उसके वर्ष 2011 के निर्देशों का अनुपालन किया है और अपेक्षित रिपोर्ट प्रस्तुत की है। इसने कहा कि **राज्य विधानमंडल को कानून बनाने का अधिकार है,** जब तक कि वे **असंवैधानिक या अधिकार-विहीन न हों।**
  - **शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत** की पुष्टि करते हुए न्यायालय ने स्पष्ट किया कि **विधायी कार्यों को केवल संवैधानिक वैधता** या **विधायी क्षमता** के आधार पर ही चुनौती दी जा सकती है।
  - इसने इस बात पर बल दिया कि विधायिका अपने संवैधानिक क्षेत्राधिकार के अंतर्गत **नए कानून बना सकती है, किसी निर्णय के आधार को हटा सकती है,** या **निरस्त किये गए कानूनों को वैध बना सकती है।**
- **समान न्यायिक निर्णय:** इंडियन एल्युमिनियम कंपनी बनाम केरल राज्य [redacted] *(1996)* मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने किसी निर्णय **को सीधे खारिज किये बिना उसके** आधार को हटाने के लिये **कानून में संशोधन करने या पूर्वव्यापी कानून बनाने की विधायिका की शक्ति को** बरकरार रखा है।

सलवा जुडूम और कोया कमांडो

- सलवा जुडूम का गठन छत्तीसगढ़ में वर्ष 2005 में नक्सलियों के विरुद्ध एक राज्य प्रायोजित निगरानी आंदोलन के रूप में किया गया था। यह ग्रामीण भारत के कुछ राज्यों में **माओवादी विचारधारा** वाला एक गैर-वामपंथी आंदोलन है, जिसे सरकार ने अपनी हिंसक गतिविधियों के कारण **आतंकवादी संगठन घोषित** किया है।
- **कोया कमांडो** मुख्य रूप से **कोया जनजाति के जनजाति के युवा** थे, **जिन्हें नक्सल विरोधी अभियानों** में सहायता के लिये **सलवा जुडूम आंदोलन** के तहत **छत्तीसगढ़** में **विशेष पुलिस अधिकारी (SPO)** के रूप में भर्ती किया गया था।

और पढ़ें: राज्य विधेयकों पर राज्यपालों की शक्तियों पर सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sc-upholds-legislative-authority-of-state